विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

सितम्बर 2023 भाद्रपद-आश्विन । विक्रमी सं. 2080

विद्या भारती की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक

प्रांतीय स्तर पर पूर्व छात्र परिषद् का गठन करें- मा. कृष्णगोपाल

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए पंचकोशात्मक विकास को समझना जरूरीः डी. रामकृष्ण राव

पाश्चात्य मोह भंग कर आत्मगौरव का भाव जगाएः गोबिंद चंद्र महंत

अंतर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस पर 'स्वच्छ सागर - सुरक्षित सागर' अभियान

विद्या भारती की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक

आत्मीयता बढ़ाकर कर्तव्यबोध व राष्ट्रीयता का भाव जगाएं

गोरखपुर । विद्या भारती की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में 22 से 24 सितंबर तक आयोजित की गई। बैठक में विद्या भारती की कार्य स्थिति, कार्य का सशक्तिकरण, शिक्षा की गुणवत्ता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन, समाज परिवर्तन आदि विषयों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बैठक में देशभर से 160 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि विद्या भारती का कार्य कई वर्षों से चलने के कारण अपने विद्यालयों में पढ़े छात्र बड़ी संख्या में समाज में प्रतिष्ठित हो चुके हैं। इन पूर्व छात्रों से सतत संपर्क बना रहे, इस उद्देश्य से सभी विद्यालयों में प्रांतीय स्तर पर पूर्व छात्र परिषद का गठन किया गया है। इससे उनके संस्कारों का पुनर्जागरण तो होता ही है, विद्या भारती के अनेक सेवा प्रकल्पों में उनकी सक्रिय सहभागिता बनी रहती है। विद्या भारती की छात्र संख्या और गुणवत्ता में अब किसी से पीछे नहीं हैं। भाऊराव देवरस सेवा न्यास से सफल होने वाले अधिकांश छात्र विद्या भारती के ही हैं। पूर्व छात्र एक बहुत बड़ी शक्ति हैं। पूर्व छात्रों से आत्मीयता बढ़ाने के साथ ही विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उनमें श्रद्धाभाव, कर्तव्यबोध एवं राष्ट्रीयता का भाव भरने का कार्य किया जाता है। पूर्व छात्र पर्यावरण, जल, ऊर्जा संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत तथा समाज जागरण के कार्यों में भी सक्रिय योगदान देते रहते हैं। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि मातृभाषाओं को पढ़ने पर जोर दिया जाना चाहिए। आचार्यों के प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के सहयोग से कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। सहयोग करने से आनंदमय कोश की खिड़की खुल जाती है। विद्यार्थियों के लिए आनंद कोश का विकास आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए पंचकोशात्मक विकास को समझना जरूरीः डी. रामकृष्ण राव

श्री डी. रामकृष्ण राव अध्यक्ष विद्या भारती ने पंचकोशात्मक विकास व एकात्म मानव दर्शन पर विचार रखते हुए कहा कि हर व्यक्ति सुख चाहता है। भारत में शिक्षा जीवन विकास के लिए दी जाती है। उपनिषद् हमारे सबसे प्राचीन शिक्षा ग्रंथ हैं। उपनिषदों में व्यक्ति का व्यक्तित्व पंचकोशात्मक बताया गया है। व्यवहार जगत में इन कोशों का विकास करना ही व्यक्तित्व का विकास करना है।

पाश्चात्य मोह भंग कर आत्मगौरव का भाव जगाएः गोबिंद चंद्र महंत

विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत ने कहा कि कोरोना काल की विभिषिका के बाद भी हम छात्र संख्या और विद्यालय संख्या व संस्कार केन्दों को बढ़ाने में सफल रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष को देखते हुए हमें विचार करना है कि जिन क्षेत्रों में विद्या भारती का कार्य नहीं है, ऐसे क्षेत्रों के लिए योजना निर्माण कर, प्रयत्न कर, वातावरण निर्माण कर वहां विस्तार करना है। गुणवत्ता युक्त विकास के लिए गुणवत्ता युक्त आचार्य, प्रधानाचार्य एवं समिति का होना आवश्यक है। हम उस संधि काल में बैठे हैं जिसमें शिक्षा जगत में परिवर्तन बहुत तेजी से हो रहा है। इसलिए हमें जागरूक होकर कार्य करना है। परिवर्तन के लिए वैचारिक संघर्ष चल रहा है, उसमें हमारी भी सक्रिय भूमिका होनी चाहिए। राष्ट्र विरोधी ताकतों को परास्त करते हुए हमें भारतीय शिक्षा को स्थापित करना होगा। विरोधियों का अस्त्र है समाज को भ्रमित करना, सज्जन शक्ति में अविश्वास पैदा करना व देश के प्रति श्रद्धाभाव को कम करना, वे यह कार्य कर रहे हैं। इसलिए हमें राष्ट्र विरोधी ताकतों को परास्त करने के लिए सतर्क रहकर समाज के मानस निर्माण के लिए अलग योजना रचना का निर्माण करना होगा और इसके लिए सतत कार्य करना होगा। हमारा काम शिक्षा क्षेत्र में विमर्श खड़ा करना है। सत्य व धर्म आधारित विषयों को सामने लाना है। विद्या भारती के कार्यों, प्रयोगों व परिणामों से समाज को अवगत कराना होगा। समाज से पाश्चात्य मोह को भंग करना तथा आत्मगौरव का भाव जागृत करना है। इसके लिए शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों और मीडिया से संपर्क करना, उनको साथ लेकर चलना व उन्हें अपनी विशिष्टताओं से अवगत कराना आवश्यक है। व्यावसायिक शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। 35 वर्ष से नीचे की हमारी जनसंख्या 60 प्रतिशत है। उनके लिए स्किल एजुकेशन, वोकेशनल एजुकेशन को बढ़ावा देना है। 50 प्रतिशत जनसंख्या को स्किल्ड बनाकर भारत को सक्षम बनाया जा सकता है।

जारी ...

महत्वपूर्ण वैचारिक विमर्श तैयार कर रही विद्या भारतीः यतींद्र शर्मा

विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री यतींद्र शर्मा ने अखिल भारतीय कार्यकारिणी की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए कहा कि माननीय नानाजी देशमुख, माननीय कृष्ण चंद गांधी के सम्मिलित प्रयासों से शिक्षा की जो ज्ञानधारा बाबा गोरखनाथ की पावन धरा पर सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग के रूप में प्रवाहित की गई उसे नमन करता हूं। गोरखपुर की यह पावन भूमि सरस्वती शिशु मंदिर योजना के 70 वर्षों की साक्षी है। 1952 में 50 बच्चों और पांच आचार्यों से यह विद्यालय शिक्षा से समाज में वैचारिक परिवर्तन के उद्देश्य से प्रारंभ हुआ था। आज पुरातन संस्कार एवं नवीन ज्ञान से परिपूर्ण राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन प्रारंभ हो गया है। भौगोलिक सामाजिक एवं वैचारिक दृष्टि से कार्य क्षेत्र चिह्नित कर कार्य विस्तार की योजना का निर्माण करना है। जम्मू-कश्मीर, लेह जम्मू-कश्मीर, लेह, लद्दाख, पूर्वोत्तर क्षेत्र आदि को कार्य विस्तार के लिए चिह्नित किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पूर्णतः क्रियान्वयन का दायित्व विद्या भारती के कार्यकर्ताओं को दिया गया है। एक स्वस्थ एवं सर्वांगीण विकासयुक्त बालक का निर्माण, विद्यालय की स्थिति, संख्या, गुणवत्ता का विकास कर समर्थ भारत का निर्माण शिक्षा का उद्देश्य है। संस्कार केंद्र, विद्यालय सेवा क्षेत्र के कार्य विस्तार द्वारा छुआछूत जैसी विसंगतियों से भारत को मुक्त कराकर समरस समाज का निर्माण करना है। हम आधारभूत विषयों, पंचकोशात्मक विकास के सुव्यवस्थित कार्य की योजना का निर्माण करेंगे। हमारे पूर्व छात्र बहुत बड़ी शक्ति हैं। वह समाज परिवर्तन में हमारे सहयोगी बनें और सकारात्मक समाज के निर्माण में करें। आज विद्या भारती के विद्यालयों का समाज में महत्वपूर्ण स्थान है। दशम एवं द्वादश की बोर्ड परीक्षाओं में प्रदेशों की प्रवीण श्रेष्ठता सूची में हमारे छात्र अपनी मेधा का परचम लहरा रहे हैं। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थानों के माध्यम से महत्वपूर्ण वैचारिक विमर्श तैयार करने का भी प्रयास कर रही है। हिंदुत्व का विचार केवल भारत का विचार नहीं वरन् यह समस्त विश्व को शांति के निर्माण का मूल मंत्र प्रदान करता है।

देश में शिक्षा क्षेत्र में सबसे बड़ी गैर सरकारी संस्था है विद्या भारती

विद्या भारती देश में शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाली सबसे बड़ी गैर सरकारी संस्था है। विद्या भारती का अपना शोध विभाग है। विद्या भारती शिशुवाटिका, सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती विद्या मंदिर, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, संस्कार केंद्र, एकल विद्यालय, पूर्ण एवं अर्द्ध आवासीय विद्यालय और महाविद्यालयों का संचालन करती है।

तीन पुस्तकों और केंद्रीय संवाद केंद्र के डाक्यूमेंट्स का विमोचन

संस्कृति ज्ञान परियोजना विभाग द्वारा प्रकाशित तीन पुस्तकों हिंदुत्व के सूर्य छत्रपति शिवाजी, सत्य के प्रकाशक स्वामी दयानंद सरस्वती जी, तीर्थंकर महावीर का विमोचन किया गया। केंद्रीय संवाद केंद्र दिल्ली द्वारा दो डॉक्यूमेंट 'शैक्षिक प्रयोग -2023' और 'Decision and Implementation to promote Bharatiya Languages' का निर्माण किया गया है। इन दोनों का विमोचन भी किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस पर 'स्वच्छ सागर-सुरक्षित सागर' अभियान

विशाखापट्टनम । विद्या भारती आंध्र प्रदेश से संबद्ध भारतीय विद्या केंद्रम श्रीकाकुलम, विशाखापत्तनम और काकीनाडा के तटीय जिलों में एकल विद्यालय चला रहा है। इन एकल विद्यालयों के बच्चों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसका उद्देश्य समुद्री जीवन पर प्रदूषण के प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना था। मछुआरे अपनी आजीविका के लिए समुद्र पर निर्भर हैं। तटीय क्षेत्रों के प्रदूषण के कारण, मछली की पकड़ तेजी से कम हो रही है। प्लास्टिक के अपशिष्ट ने समुद्री जीवन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है।

अंतर्राष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस पर 16 सितंबर को स्वच्छ सागर-सुरक्षित सागर अभियान चलाया गया। यह अभियान अनाकापल्ली जिले के गांवों में मुत्यालम्मापालेम, वडाचिपुरापल्ली, डिब्बुपालेम, टिक्कावानीपालेम, वदानरसापुरम, कोथापालेम, गुनीपुडे, बंगरायपेटा, राजयपेटा, मालापारु, पेंटाकोटा, राजावरम, गजपतिनगरम, वेंकटनगरम, पालमुकपेटा, काकीनाडा जिला थोंडांगी मंडल के अवलदारपाडु, पेरुमल्लापुरम, हेमावरम, चिंताकायलापेटा, पाल्मोनपेटा, तैलाथंतीपेटा, श्रीकाकुलम जिला कविति मंडल के चिक्करिपालेम, बतिवानीपालेम, पेडाकारीवानीपालेम में चलाया गया। पाल्मोनपेटा में बच्चों को उनके कार्य की सराहना करते हुए एक कंपनी के प्रबंधन ने उपहार दिए।

कर्नाटक में सागर तट स्वच्छता दिवस कार्यक्रम में शारदा विद्यालय, कोड़ियालबाईल मांगलोर महानगर, दक्षिकीन कन्नड़ जिले से 25 छात्र, 25 छात्राओं आदि ने भाग लिया।

क्र.	प्रांत	जिले | विद्यालय की सहभागिता	प्रतिभागी	कुल प्रतिभागी
1.	उड़ीसा	7 जिले, 12 विद्यालय	295 छात्र, 32 आचार्य, 21 अन्य	348
2.	आंध्र प्रदेश	2 विद्यालय	403 छात्र, 40 आचार्य, 72 ग्रामीण वासी	515
3.	तमिलनाडु	2 विद्यालय	116 छात्र, 32 आचार्य, 30 अभिभावक	178
4.	केरल	7 जिले, 12 विद्यालय	250 छात्र, 55 आचार्य, 60 अभिभावक, 25 पूर्व छात्र, 30 समिति कार्यकर्ता	420
5.	कर्नाटक	1 विद्यालय	50 छात्र, 3 आचार्य, 3 अभिभावक	56
6.	गुजरात	2 विद्यालय	32 छात्र, 15 अन्य	47
6 राज्य, 31 विद्यालय, 1146 छात्र, 162 आचार्य, 93 अभिभावक, 25 पूर्व छात्र , 30 समिति कार्यकर्ता, 108 अन्य, (कुल -1564)				

वैचारिक लेख

भगिनी निवेदिता का शिक्षा दर्शन

मार्गरिट नोबल ब्रिटेन की प्रख्यात शिक्षाविद्

ई.स. 1884 में मार्गरिट नोबल ने अपना शिक्षण व्यवसाय प्रारंभ किया, उसका परिचय पेस्टलोजी और फ्रोबेल द्वारा प्रतिपादित नई शिक्षा पद्धति से हुआ।

1895 में शिक्षा के संबंध में अपने स्वयं के विचारों के कार्यान्वयन हेतु मार्गरिट ने विम्बलडन में रस्किन स्कूल के नाम से स्वयं का विद्यालय प्रारंभ किया। अल्प समय में ही एक अच्छी शिक्षक और शिक्षाविद् के रूप में मार्गरिट का नाम फैलने लगा। विभिन्न समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं में वे लेख लिखने लगी। उसकी बौद्धिक क्षमता के कारण वे लंदन के उच्च वर्ग में मानी जाने लगी। धीरे-धीरे वह शिक्षा और साहित्यिक आंदोलन का केन्द्र बन गयी, जिसका परिणाम प्रसिद्ध सेसम क्लब के जन्म के रूप में हुआ। उनके बारे में वर्षों बाद उनके भाई ने लिखा- जहाँ भी वह गयी एक लाइब्रेरी क्लब का उद्भव हुआ।

मार्गरिट नोबल बनी निवेदिता

स्वामी विवेकानंद ने मार्गरिट को हिन्दू धर्म में दीक्षित किया। मार्गरिट को मंदिर ले जाया गया और तब स्वामी जी ने उसे सिखाया कि शिव की पूजा किस प्रकार की जाती है। उसे ब्रह्मचर्य की शपथ दिलाई गयी और 'निवेदिता' नाम दिया गया, निवेदिता अर्थात् समर्पित। मार्गरिट नोबल जो कि बुद्धिमान विचारशील और आध्यात्मिक जिज्ञासु थी। वह एक ईसाई प्रवर्तक की पुत्री थी फिर भी उन्होंने हिन्दु धर्म में दीक्षित होना चयन किया।

निवेदिता सबकी भगिनी

प्रशिक्षण अवधि के दौरान निवेदिता स्वामी विवेकानंद के साथ बालिकाओं के लिये विद्यालय के विषय में चर्चा करने में उत्साही रहा करती थी। स्वामी जी चाहते थे कि निवेदिता विद्यालय प्रारंभ करें। स्वामी जी के अनुसार एक बार आत्म त्याग की भावना आ जाये तो कार्य योजना एकीकृत हो जाती है और सफलता मिलती है। हिन्दू महिलाओं को वास्तविक शिक्षक बनने के लिए निवेदिता को स्वयं सर्वप्रथम एक हिन्दू महिला बनना पड़ेगा।

बालिका विद्यालय का प्रारंभ

जब स्वामी जी को लगा कि निवेदिता विद्यालय चलाने के लिए प्रस्तुत हो गई है तब स्वयं अपने परिचितों के निकट जाकर विद्यालय के प्रति समर्थन जुटाना पड़ता था। अंत में 12 नवम्बर 1898 को विद्यालय प्रारंभ हुआ। श्रीमाँ शारदा उद्घाटन में आयी और अपना आशीर्वाद दिया। निवेदिता विद्यालय को फूलों से सजाती और छात्राओं से पवित्र माँ शारदा देवी के चरणों में फूल अर्पित करने को कहती। निवेदिता ने विद्यालय का नाम 'रामकृष्ण बालिका विद्यालय' रखा था।

कुछ पश्चिमी लोग इसे 'विवेकानंद विद्यालय' कहते और वहां के लोग उसे 'भगिनी निवेदिता विद्यालय' के नाम से जानते थे।

शिक्षिका के रूप में निवेदिता

जब निवेदिता से सलाह माँगी तो स्वामी जी बोले – तुम स्वयं निर्देशित हो। तुम सब कुछ अपने छात्राओं से ही सीखने वाली हो।यास किया कि राष्ट्रीय उद्देश्य को वे उतनी ही गहराई से समझे। निवेदिता ने अपने विचारों को नहीं थोपा पर देखा कि ज्ञात सांस्कृतिक विषयों के माध्यम से लड़कियाँ स्वाभाविक रूप से विकसित होने लगी। निवेदिता ने छात्राओं के क्रियाकलापों, व्यवहार, भाषा, पोशाक, शिक्षा, संगीत सहित सभी के द्वारा उनके मस्तिष्क में राष्ट्रीय विचारों की छाप छोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने विद्यालय में प्रतिदिन वंदेमातरम् का गायन प्रारंभ कराया। उन्होंने अपनी छात्राओं में यही श्रद्धा विश्वास मन में बिठाने का प्रवह चाहती थी कि जब आवश्यकता हो तो उनकी छात्राएँ भी कठोर होना सीखें क्योंकि नाजुक होना उसकी जन्मजात प्रवृत्ति है। बुराई के नाश के लिए नम्र बिल्कुल भी नहीं होना चाहिए। वह प्रयास करती थी कि उन्हें देश की घटनाओं की जानकारी हो। सुरेन्द्रनाथ बनर्जी के भाषणों को सुनने वे उच्च कक्षा की छात्राओं को एक गाड़ी में लेकर जाती थी। एक दिन आचार्य जगदीश चन्द्र बोस की पत्नी अमला बोस उनके विद्यालय आयी तब छात्राओं ने "बंग आभार जननी आमर" गीत गाया। जब बालिकाएँ गा रही थी तब प्रसन्नता के आंसू उनकी आँखों में टपकने लगे। कलकत्ता में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ तो निवेदिता ने अपनी छात्राओं से कशीदाकारी कर राष्ट्रीय ध्वज का नमूना बनाने को कहा। उनके अनुसार भगवा रंग भारत की आध्यात्मिक परंपरा को दर्शाता है। अतः उस ध्वज का रंग भगवा था।

शिक्षाविद् के रूप में निवेदिता

- शिक्षा मात्र जानकारी देना नहीं परंतु अपने देश के महापुरूषों के लिए तीव्र भावना को जगाना भी है। निवेदिता इन भावों से परिपूर्ण थी। भारत का इतिहास उनकी कल्पना शक्ति और वर्णन के माध्यम से जीवंत हो उठता था।
- निवेदिता बहुत इच्छुक थी कि छात्रायें अपनी मातृभाषा अच्छे से सीखें। वे स्वयं छोटे-छोटे बंगला शब्दों को सीख लेती थी।
- भारत में शिक्षा केवल राष्ट्रीयता हेतु नहीं अपितु राष्ट्र निर्माण के लिये होना चाहिए। हमारे बच्चों को राष्ट्र और देश की चिंता से ही घिरे रहना चाहिए। उनसे हमें भारत के लिए बलिदान मांगना चाहिए, भक्ति मांगनी चाहिए, ज्ञान मांगना चाहिए। अपने लिये आदर्श और भारत के लिए भारत यह उनके जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।
- कार्य का कोई भी क्षेत्र हो भारत की भलाई और भारतीय चेतना का जागरण उनकी सर्वोपरि चिंता थी। वह चाहती थी कि स्वामी विवेकानंद की दृष्टि को समझने और उसका प्रचार करने वाले शिक्षाविदों की योजना बनाई जाये। उन्होंने स्पष्ट किया शिक्षा केवल बच्चों के लिए ही अच्छी नहीं वरन यह देश-धर्म के लिये भी अच्छी है। यह विचार शिक्षाविदों के मस्तिष्क में सदैव रहना चाहिए।
- शिक्षा हेतु निवेदिता की अनेकों योजनायें थी। सरकारी विरोध के बावजूद वे चाहती थी कि राष्ट्रीय शिक्षा को उन्नत करने के लिये हमारे विद्यालय भारतीयों के लिए प्रशिक्षण संस्थान होने चाहिए। उनका एक विचार लड़कों के लिए एक छात्रावास बनाना था। लड़के छात्रावास में रहकर पढ़ाई करेंगे और छः माह देश का भ्रमण करेंगे जिससे कि उनके भीतर देश का ज्ञान और उसके प्रति देश प्रेम उत्पन्न हो। जब रविन्द्रनाथ टैगोर ने शांति निकेतन प्रारंभ किया तब निवेदिता विद्यालय की छात्राएँ वहाँ की अधिकांश महिला शिक्षिकाएँ बनी।

जारी ...

भारत भक्त निवेदिता

एक दिन निवेदिता ने अपनी छात्राओं से पूछा भारत की रानी कौन है? छात्राओं ने उत्तर दिया महारानी क्वीन विक्टोरिया। स्पष्टतः निवेदिता उनके इस उत्तर को सुन परेशान दिखी। वे दुखी भी थी और क्रोधित भी। चिल्ला कर वह बोली – तुम लोग जानते ही नहीं हो कि भारत की रानी कौन है। फिर स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा – देखो इग्लैण्ड की महारानी भारत की रानी कभी नहीं हो सकती। तुम्हारी महारानी है सीता रानी। सीता रानी भारत की सनातन महारानी है। स्वामी जी ने निवेदिता को समझाया था कि महिलाओं की शिक्षा में त्याग और सेवा की हमारी परंपरा गत आदर्शों से कभी भी विचलित नहीं होना चाहिए। भारत की महिलाओं की शिक्षा की आवश्यकता है पर सबसे पहले त्याग और सेवा के आध्यात्मिक आदर्शों को रखना पड़ेगा। निवेदिता ने स्वामी जी के इन निर्देशों का हृदय और आत्मा से पालन करने का प्रयास किया।

श्री रविन्द्रनाथ टैगोर ने निवेदिता से आग्रह किया था कि वे उनकी पुत्री को अंग्रेजी की शिक्षा दे। परंतु निवेदिता ने उन्हें कहा विदेशी आदर्शों और मानकों को लादने का क्या औचित्य है? मेरे मत से उचित शिक्षा का तात्पर्य है व्यक्ति की जो योग्यता उसमें छुपी है उसे बाहर निकलने देना चाहिए। अतः वे अंग्रेजी शिक्षा देने के लिये तैयार नहीं हुई क्योंकि वे इस भूमि पर भारतीय नारी को अंग्रेजी भाषा ओर संस्कृति सिखाने नहीं आई थी। निवेदिता के कार्य का क्षेत्र सर्वथा राष्ट्रहित था।

निवेदिता भारत के लिये दृष्टिकोण

निवेदिता ने सदैव जोर दिया कि भारत एक है और उन्हें लगता है कि सब भारतीय इस सत्य पर प्रतिदिन कुछ मिनिटों के लिए विचार करें तो भारत महान शक्ति संपन्न बनेगा और कोई उसे हानि नहीं पहुँचा सकेगा।

निवेदिता ने कहा- "मैं विश्वास करती हूँ कि उस शक्ति को जो वेदों और उपनिषदों, धर्मों और साम्राज्यों के निर्माण में विद्वानों की सीख में, संतो के ध्यान में है, एक बार पुनः जन्म लिया है और उसका नाम है राष्ट्रीयता। मेरा विश्वास है कि भारत के वर्तमान की जड़ें उसके भूतकाल में गहरी जमी है और यह कि उसके समक्ष एक उज्जवल भविष्य है।"

जीवन के हर आयाम में उनका भारत के प्रति गहन प्रेम झलकता था। वे अग्नि सदृश्य क्रांतिकारी थी। श्री अरविंद उन्हें 'अग्नि शिखा' कहते थे। वह एक योगिनी भी थी। वे एक शिक्षाविद् तथा कला समालोचक भी थी। रविन्द्रनाथ टैगोर उन्हें 'महाश्वेता' कहते थे। भगिनी निवेदिता को 'लोकमाता' का भी उपनाम मिला।

– रेखा चुड़ासमा

(लेखिका विद्या भारती में बालिका शिक्षा की अखिल भारतीय संयोजिका है।)

'पत्रकारिता में राष्ट्रधर्म' व्याख्यान का आयोजन

22 सितम्बर प्रख्यात पत्रकार व विद्या भारती के पूर्व छात्र स्व. रोहित सरदाना के जन्मदिन पर विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा 'पत्रकारिता में राष्ट्रधर्म' व्याख्यान का आयोजन सभागार में किया गया।

पांचजन्य के संपादक श्री हितेश शंकर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पत्रकारिता में राष्ट्रधर्म को उद्धृत करते हुए रोहित के संदर्भ में विचार व्यक्त किए। डीडी न्यूज के वरिष्ठ सलाहकार संपादक प्रखर श्रीवास्तव, शिवेंद्र कुमार सिंह (कंसल्टेंट टीवी 9 डिजिटल), पांचजन्य की कंसल्टिंग एडिटर तृप्ति श्रीवास्तव ने रोहित के साथ बिताए अनुभव को सबके सामने रखा। शिक्षाविद् व रोहित के पिता श्री रतन चंद सरदाना, पत्नी श्रीमती प्रमिला दीक्षित, भाई ललित सरदाना, हितेश सरदाना व परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के निदेशक डॉ. रामेंद्र सिंह, सचिव श्री वासुदेव, डॉ. ऋषि गोयल, डॉ हुकुम सिंह व अन्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय शैक्षिक समूह बैठक

(प्रशिक्षण, विद्वत परिषद, शोध परिषद, मानक परिषद)

स्थान - विद्या भारती राजस्थान , सेवाधाम परिसर, जवाहर नगर सेक्टर-4, जयपुर (राज.)

01 सितम्बर से 03 सितम्बर, 2023

माननीय गोबिंद चन्द्र महन्त, अखिल भारतीय संगठन मंत्री ने कहा, हमारी आवाज स्वीकृति योग्य बने। शिक्षाविदों को जोड़ते हुये विमर्श बनाना है। न्यूज, प्रजेन्टेशन, टी.वी., डिबेट पुस्तक आदि के माध्यम से हम भारत केन्द्रित शिक्षा को जोड़ सकते है। हमारी इकाई छात्र है, वहाँ तक कैसे जाना, यह तय करना है। कमजोरी को मजबूती में कैसे बदले। मूल्यांकन आवश्यक। सुधार क्यों नहीं हुआ तो शोध करना। विद्यालय संबंधी गुणवत्ता के लिए क्रियाशोध आवश्यक। वर्तमान शिक्षण पद्धति में विषय के साथ भारत का क्या संबंध है। विषय के इतिहास का पता होना चाहिये। उच्च शिक्षा में बी.पी.एड. तक शिक्षा में भारत दिखाई नहीं देता है। भारत केन्द्रित शिक्षा की आवश्यकता है।

डॉ. नन्दिनी लक्ष्मीकान्त, अखिल भारतीय सह मंत्री ने कहा, शोध एक स्वाभाविक प्रकृति है। समस्या अर्थात् - - ? क्यों आदि प्रश्न, इसी को समस्या कहते है। समस्या का समाधान स्थानीय स्तर पर होता है। समस्या के समाधान में अनुभव का भी सहयोग लेते है।

सूचना, सम्प्रेषण, अभिलेख, प्रशिक्षण नियोजन पर चर्चा तथा विषय की विकास यात्रा। पंचपदी शिक्षण। शिक्षण/मानक/विद्वत/शोध का आपसी समन्वयन तथा एक दूसरे को सहयोग। इन विषयों की विशेष चर्चा हुई।

देशभर से प्रशिक्षण - 13, मानक परिषद - 14, विद्वत परिषद - 04, शोध परिषद - 04, कुल प्रतिभागी - 41 उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा

बिलावर | जम्मू और कश्मीर | दिनांक: 30 सितंबर, 2023 को श्री जितेंद्र सिंह जी (केंद्रीय मंत्री भारत सरकार) का "भारतीय विद्या मंदिर ददवाड़ा" विद्यालय परिसर में प्रवास रहा। जिसमें उन्होंने "स्वच्छता पखवाड़ा" के अंतर्गत विद्यालय परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

अटल टिंकरिंग लैब: नवाचार का केंद्र

हरियाणा | कुरुक्षेत्र | अटल टिंकरिंग लैब विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा और नवाचार में रुचि पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है। यह केंद्र विद्यालयों और संस्थानों के छात्रों के लिए नवाचारिक और प्रैक्टिकल लर्निंग का प्लेटफ़ॉर्म है। गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र में 2017 में इस नवाचार को अपनाया गया था और इससे छात्रों के शैक्षिक और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। अटल टिंकरिंग लैब के माध्यम से छात्र व्यक्तिगत प्रोजेक्ट्स और प्रैक्टिकल कार्यों से तकनीक का अध्ययन करते हैं, जिससे उनका सीखना अधिक प्रभावी होता है। इसके साथ ही विभिन्न तकनीकी कौशल जैसे कोडिंग, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, और 3D प्रिंटिंग को सीखते हैं, जो व्यक्तिगत और पेशेवर विकास को बढ़ावा देते हैं। इंस्पायर अवार्ड्स मानक, ATL मैराथन और इंटर्नशिप कार्यक्रम नवाचार की दुनिया में और गहन अध्ययन व सीखने का मौका प्रदान करते हैं। अटल टिंकरिंग लैब छात्रों और शिक्षकों के लिए विशेषज्ञ कार्यशालाओं का आयोजन करता है, जिसमें वे नवाचार और तकनीक के क्षेत्र में नवीनतम डेवलपमेंट्स को सीख सकते हैं प्रतिष्ठित संस्थान जैसे CSIR (Council of Scientific and Industrial Research). AMITY UNIVERSITY और IIT अटल टिंकरिंग लैब के छात्रों के लिए बड़ा मौका प्रदान करते हैं। इस प्रकार, अटल टिंकरिंग लैब भारतीय शिक्षा प्रणाली में महत्वपूर्ण और अद्वितीय साधना है, जो नवाचार को प्रोत्साहित करने और तकनीकी जगत के लिए तैयार करने में मदद कर रही है।

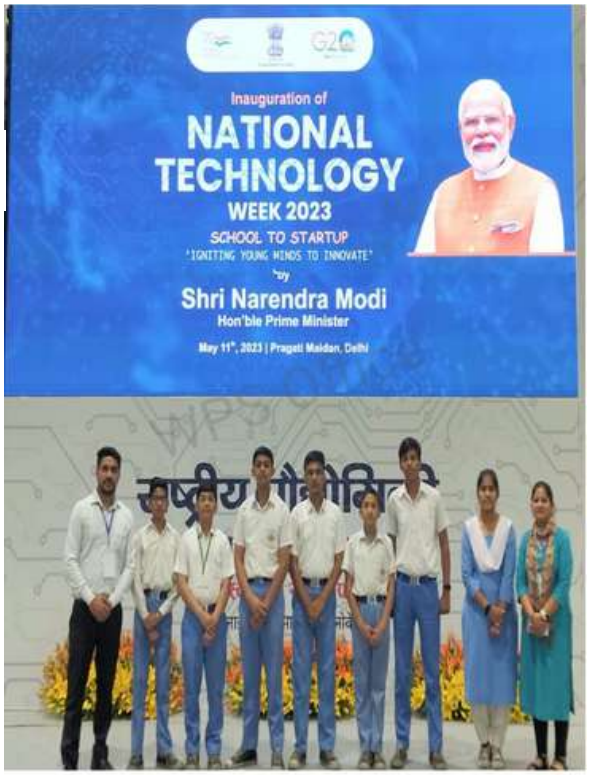

विद्या भारती के विद्यालयों में मनाया गया "शिक्षक दिवस"

5 सितंबर 2023

विद्या भारती के विद्यालयों में मनाया गया "हिंदी दिवस"

14 सितंबर 2023

विद्या भारती के विद्यालयों में मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी : झलकियां

दक्षिण मध्य क्षेत्र की चिंतन बैठक

हैदराबाद। विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र अधिकारी स्तर की चिंतन बैठक हैदराबाद के शारदाधाम में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र संगठन मंत्री लिंगम सुधाकर रेड्डी, क्षेत्र उपाध्यक्ष प्रोफेसर नागेश्वर राव, क्षेत्र सचिव श्री लक्ष्मण राव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

प्रांतीय प्रधानाचार्य बैठक, झारखंड

कम से कम एक संस्कार केंद्र संचालित करें प्रत्येक विद्यालयः ख्यालीराम

चाईंबासा । पद्मावती जैन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, चाईबासा में 7-8 सितंबर को दो दिवसीय ए-बी श्रेणी के प्रांतीय प्रधानाचार्यों की बैठक का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री उत्तर पूर्व क्षेत्र श्री ख्यालीराम ने शिशु मंदिर योजना को कैसे और अधिक प्रभावी व श्रेष्ठ बनाया जाए, इस पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्या भारती में टोली का निर्माण, प्रधानाचार्यों का चयन, पूर्णकालिकों की संख्या बढ़ाना, प्रवासी कार्यकर्ता का चयन आदि विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यालय द्वारा कम-से-कम एक संस्कार केन्द्र अवश्य संचालित हो। इससे समाज के प्रति संवेदना जाग्रत होगी और समाज में अच्छा संदेश जाएगा। अपने विद्यालयों में विद्या भारती द्वारा निर्धारित पुस्तकों का उपयोग करें और छात्रों में सद्साहित्य पढ़ने की अभिरुचि जाग्रत करें।

प्रदेश सचिव विद्या विकास समिति झारखंड श्री अजय कुमार तिवारी ने कहा कि अपना विद्यालय अन्य विद्यालयों से श्रेष्ठ कैसे बने, इसके लिए चिन्तन-मनन करने की आवश्यकता है। हम आचार्य राष्ट्रभक्त बनें और राष्ट्रभक्त बनकर देश और समाज का कार्य करें। विद्या भारती के ध्येय मार्ग पर चलें। शिशु बालवाटिका की कक्षा सभी विद्यालयों में संचालित हो। इसके तहत 12 शैक्षिक व्यवस्थाएं हैं जो शिशुओं के लिए काफी उपयोगी हैं। विद्यालय का मैट्रिक व इंटर का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत हो, विद्यालय में पढ़ने वाले भैया जिला व राज्य स्तर की सूची में आएं, ऐसा प्रयास सबका हो। अखिल भारतीय प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित हों, इसका प्रयास हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को बढ़ावा देने के लिए पठन-पाठन में टी.एल.एम, एल.टी.एम.पी. एवं एल.एम का सर्वाधिक उपयोग हो। संचालन अखिलेश कुमार सिंह क्षेत्रीय प्रचार- प्रसार प्रमुख ने किया।

विद्यालय के अध्यक्ष रामध्यान मिश्र, सचिव तुलसी प्रसाद ठाकुर, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता, सदस्य अनंत लाल विश्वकर्मा, प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार सिंह, पूर्णकालिक नीरज जी, राजेश जी, ओंकार जी, विवेक नयन जी, अखिलेश कुमार, तुलसी प्रसाद, रमेश जी व फणींद्र नाथ झा समेत 103 प्रधानाचार्य उपस्थिति रहे।

सेवा दिशा की कार्यशाला

रायपुर । सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर में सेवा दिशा कार्यशाला का आयोजन किया गया। एकल आचार्य के जिला समन्वयक एवं सरस्वती संस्कार केन्द्र के जिला एवं विभाग प्रभारी व प्रांत प्रमुख श्री चन्द्र कुमार डड़सेना ने सेवा दिशा एडमिन बनाना, यूजर बनाना एवं सर्वे करना आदि सिखाया। श्री सुहास देशपांडे अखिल भारतीय संयोजक, जनजाति क्षेत्र की शिक्षा ने सेवा दिशा 2024 के बारे में जानकारी दी और कहा सभी एडमिन एवं यूजर सर्वे का कार्य सीख लें। प्रशिक्षण का कार्य समय से पूरा करें। प्रशिक्षक नरेश जायसवाल ने कहा कि यह सर्वे प्रत्येक पांच वर्ष में होता है। इसके तहत सभी सेवा केन्द्रों का भौतिक सत्यापन, निरीक्षण, केन्द्र दर्शन, एवं प्रत्यक्ष जाकर एप्प के माध्यम से पूरी जानकारी प्रस्तुत करनी है।

डा. देवनारायण साहू प्रांतीय संगठन मंत्री ने कहा कि हम सबको सावधानीपूर्वक एप्प के माध्यम से गूगल फार्म भरना है, जिससे बाद में किसी प्रकार की परेशानी न हो। चन्द्र किशोर श्रीवास्तव प्रांतीय सचिव, वनांचल शिक्षा सेवा न्यास ने कहा कि सर्वे का कार्य शीघ्र पूर्ण करें। कार्यशाला में वनांचल शिक्षा सेवा न्यास के पूर्णकालिक, अन्यान्य विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्रमुख कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यशाला के आयोजन में मोहित साहू कार्यालय प्रमुख का सहयोग रहा।

परंपरागत भारतीय खेल विषयक पुस्तक के लिए विषय-वस्तु निर्धारण कार्यशाला

मथुरा । सरस्वती साहित्य प्रकाशन माधवकुंज में खेल-खेल में शिक्षा को दृष्टिगत रखते हुए “परंपरागत भारतीय खेल” विषयक पुस्तक लेखन के लिए ”विषय-वस्तु निर्धारण कार्यशाला” का आयोजन किया गया। शिशु शिक्षा समिति ब्रज प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक श्री राम किशोर श्रीवास्तव ने कहा कि खेल-खेल में शिक्षा एक अद्भुत प्रयोग है। यह प्राथमिक कक्षाओं में बहुत महत्वपूर्ण है। भारतीय खेल जो परंपरागत रूप से हमारे यहां प्राचीन काल से चले आ रहे हैं, वह किस प्रकार से हमारे जीवन में और उपयोगी हों, इस हेतु परम्परागत भारतीय खेलों की पुस्तक की बड़ी आवश्यकता है। पुस्तक लेखन में आयु- वर्ग, और बाल मनोविज्ञान को ध्यान में रखकर खेलों का चयन, उनका वर्णन और महत्व समाहित करना उपयोगी रहेगा।

समविचारी विद्यालयों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर संगोष्ठी

मध्यप्रदेश | राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्तमान की शिक्षा के लिए कितनी महत्वपूर्ण एवं प्रभावपूर्ण होगी, इस संबंध में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर (सरस्वती विधा मंदिर पुरम पठार अशोक नगर, मध्यप्रदेश) में जिले के शासकीय/अशासकीय समविचारी विद्यालयों की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री देवकीनंदन चौरसिया ने कहा कि शिक्षक को अच्छा विषय विशेषज्ञ, संप्रेषणकर्ता, अच्छा समन्वयकर्ता होना चाहिए। विवेकानंद स्कूल के संचालक महेश श्रीवास्तव ने कहा कि शिक्षा नीति छात्रों में कौशल, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक स्वभाव, नवीनता, अभिव्यक्ति व तार्किक चिंतन जैसे गुणों को विकसित करेगी।

विद्यालय के प्राचार्य महेश त्यागी ने कहा कि ब्रिटिश शिक्षा नीति समाप्ति की ओर है और हम भारत केन्द्रित शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहे हैं। शिक्षा नीति संस्कार एवं नैतिक शिक्षा से युक्त है। इस अवसर पर श्री हरिशंकर भार्गव उपमंत्री, आरोग्य भारतीय संयोजक, विद्यालय संचालन समिति अध्यक्ष राजेन्द्र रजक, समिति सचिव ओम प्रकाश शर्मा, सरस्वती शिशु मंदिर चंदेरी के प्रधानाचार्य जगदीश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

छात्रों के समग्र विकास में अभिभावकों की भूमिका पर चर्चा

विदिशा । विद्या भारती मध्य भारत योजना से जिला केंद्र विदिशा के सरस्वती विद्या मंदिर तलैया में अखिल भारतीय मंत्री श्री किशनवीर सिंह का प्रवास रहा।

श्री किशनवीर ने जिला केंद्र के सशक्तिकरण के लिए मार्गदर्शन किया। वंदना सत्र में छात्रों से कहानी एवं प्रसंग के माध्यम से संवाद किया और विद्यालय द्वारा तैयार हस्तलिखित पत्रिका का विमोचन किया। इसके साथ कक्षा शिक्षण, प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर लैब, अटल लैब आदि का अवलोकन किया। अभिभावकों की बैठक में छात्रों के समग्र विकास में अभिभावकों की भूमिका विषय पर चर्चा की और सरस्वती शिशु मंदिरों के उन्नयन के लिए सुझाव मांगे। विद्यालय के पूर्व छात्रों की बैठक में उनका सहयोग किस प्रकार लिया जा सकता है, इस पर चर्चा की। बाद में आचार्य परिवार से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से शिक्षण में आए बदलावों पर चर्चा की।

21वीं शताब्दी के कौशल जिसमें कोलैबोरेशन स्किल, क्रिएटिविटी स्किल, क्रिटिकल थिंकिंग स्किल, कम्युनिकेशन स्किल पर विस्तृत चर्चा की। संस्कार केंद्र का अवलोकन कर छात्रों एवं स्थानीय नागरिकों से चर्चा की।

रात्रि में प्रबंध समिति की बैठक में दिन भर के अनुभव साझा करते हुए भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर मध्य भारत प्रांत नगरीय शिक्षा के प्रमुख डा. रामजी भावसार, विद्या भारती अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य और श्रीरामकृष्णदास शिक्षण समिति की अध्यक्ष श्रीमती राजश्री वैद्य, भोपाल विभाग समन्वयक श्री दीपक चंदेवा आदि उपस्थित रहे।

पूर्व छात्र परिषद् ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

भीलवाड़ा । विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद भीलवाड़ा की ओर से 10 सितंबर को स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन आदर्श विद्या मंदिर शास्त्रीनगर में किया गया। इस दौरान 176 यूनिट रक्तदान किया गया। विशेष रूप से 25 से अधिक मातृशक्ति, 10 से अधिक दंपतियों ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर महामंडलेश्वर संत हंसराम उदासीन जी महाराज, विशिष्ट अतिथि विद्या भारती से श्री गोविंद कुमार,श्री संतोषानंद और स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अविनाश पाटोदी और मुख्य प्रबंधक अमित जी मेहता, विद्यालय के प्रधानाचार्य अविनाश छीपा व पूर्व छात्र आदि उपस्थित रहे। पूर्व छात्र परिषद भीलवाड़ा कई वर्षों से सामाजिक क्षेत्र में कार्य कर रही है।

जन शिक्षण संस्थान - कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन

शिमला । भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान शिमला के अन्तर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के सम्मान में 15 सितंबर 2023 को आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में स्थानीय माताओं व बहनों द्वारा पारंपरिक उत्पादों की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर और वर्तमान में राज्यसभा सांसद डॉ. सिकंदर कुमार, विशिष्ट अतिथि BJYM हिमाचल प्रदेश के अध्यक्ष श्री तिलक राज शर्मा उपस्थित रहे।

शतरंज का आधार आध्यात्मिकता: अनूप देशमुख

नागपुर । अंतर्राष्ट्रीय शतरंज मास्टर अनूप देशमुख ने कहा कि सभी छात्रों को मोबाइल फोन और टीवी छोड़ देना चाहिए और शतरंज पर अधिक ध्यान देना चाहिए। शतरंज के खेल का आधार आध्यात्मिकता है। इसमें केवल बुद्धि व शक्ति से सफलता नहीं मिलती, बल्कि बुद्धि और शक्ति मिलाकर ही खिलाड़ी इस खेल में सफल हो सकता है। शतरंज से व्यक्ति की आंतरिक शक्ति का विकास होता है। अंतर्राष्ट्रीय खेल दिवस पर विद्या भारती विदर्भ एवं क्रीड़ा भारती नागपुर महानगर द्वारा संयुक्त रूप से पं.बच्छराज व्यास विद्यालय एवं जूनियर कॉलेज के सहयोग से शतरंज को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शरद वझे ने नागपुर के 10 प्रतिष्ठित स्कूलों में 1000 से अधिक छात्रों के साथ 10 दिनों तक शतरंज खेलकर छात्रों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में डॉ.अमित अग्रवाल, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य क्रीड़ा भारती प्रसन्न हरदास, प्राचार्या अर्चना जोशी, विद्या भारती विदर्भ के खेल समन्वयक जितेन्द्र घोरदडेकर, विद्या भारती के प्रांतीय संगठन मंत्री शैलेश जोशी, मंत्री मंगेश पाठक, प्रांतीय सहमंत्री रोशन अगरकर, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अभिभावक और बड़ी संख्या में शतरंज खिलाड़ी आदि उपस्थित रहे।

विद्या भारती के दो विद्यालयों का सैनिक स्कूल के लिए चयन

गोविन्द नगर | भाऊ साहब भुस्कुटे सेवा न्यास द्वारा संचालित सरस्वती ग्रामोदय विद्यालय गोविन्द नगर को सैनिक स्कूल सोसायटी रक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने सैनिक स्कूल के लिए मान्यता प्रदान की है। प्रदेश में वर्तमान में दो सैनिक स्कूल संचालित हैं। यह संभाग का प्रथम सैनिक विद्यालय होगा।

भागलपुर | इसके साथ ही भागलपुर के गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर नरगाकोठी को सैनिक स्कूल के रूप में चयनित किया गया है। देश भर के विभिन्न राज्यों के 23 स्कूलों को मिली मान्यता में बिहार का यह विद्यालय भी शामिल है। इसे पीपीपी मोड पर चलाया जाएगा। प्रधानाचार्य नीरज कौशिक ने बताया कि सैनिक स्कूल के लिये शर्तों में सीबीएसई से एफिलिएशन, सीबीएसई नियमों का पालन, पीजीटी, टीजीटी, लाइब्रेरियन, आर्ट शिक्षक, पीटी शिक्षक, प्राचार्य की अर्हता आदि शामिल थी।

अंग्रेजी संभाषण केंद्र का उद्घाटन

नोएडा | विद्या भारती के अंग्रेजी संभाषण केंद्र का उद्घाटन भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा में हुआ। यह वर्ग 15-15 दिन के चरण बद्ध होंगे। इस प्रथम चरण के उद्घाटन पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 29 आचार्यों की उपस्थिति रही।

प्रांतीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता

हिमाचल शिक्षा समिति द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मन्दिर के बच्चों का दो दिवसीय प्रांतीय एथलेटिक्स खेलकूद प्रतियोगिता में 7 जिलों के 312 बच्चे ले रहे भाग- केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने किया शुभारंभ।

अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत का लेह लद्दाख प्रवास

लेह लद्दाख | विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत 5-9 सितम्बर तक लेह प्रवास पर रहे। 5 सितम्बर को विद्यालय में शिक्षक दिवस के कार्यक्रम में रहे और साथ ही पूर्व छात्रों के साथ बातचीत हुई।
8 सितम्बर को जन शिक्षण संस्थान कारगिल में बैठक हुई। 9 सितम्बर को लेह विद्यालय में NEP पर एक सेमिनार में रहे जिसमें 12 विद्यालयों के 35 अध्यापकों ने भाग लिया। प्रवास से सभी कार्यकर्त्ताओं को उत्साह मिला।

भरतपुर(राजस्थान) में अमेरिकन ट्रस्ट के सहयोग से तीन विद्यालयों का लोकार्पण

भरतपुर | ग्राम पंचायत खानुआं में एसोसिएशन ऑफ इंडियन्स इन अमेरिका के सौजन्य से नवनिर्मित विद्या भारती भवन का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल महामहिम कलराज मिश्र ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती द्वारा दी जा रही संस्कार युक्त शिक्षा की सराहना की और कहा कि विद्या भारती की पंचपदीय शिक्षा से सर्वांगीण विकास होता है।
भरतपुर जिले के रूपवास पंचायत समिति की ग्राम पंचायत खानुआं में एसोसिएशन ऑफ इंडियन्स इन अमेरिका के सौजन्य से माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, खानवा भरतपुर के नव निर्मित भवन का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर श्री राजेंद्र खेतान अखिल भारतीय उपाध्यक्ष की विशेष उपस्थिति रही।
विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम संयोजक श्री कृपाल चौधरी, डॉक्टर उर्मिलेश पूर्व अध्यक्ष ए.आई.ए. न्यूयॉर्क अमेरिका, डॉक्टर यशपाल आर्य प्रमुख चिकित्सक, न्यूयॉर्क, श्री महेंद्र सिंह मागो प्रांत संघचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, श्री भरतराम कुमार अध्यक्ष विद्या भारती राजस्थान रहे।

राज्यपाल आर एन रवि ने विद्या भारती के बारे में उद्धरण दिये

तमिलनाडु | विद्या भारती तमिलनाडु द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल आर एन रवि ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिवर्तनकारी पहलुओं पर प्रकाश डाला। चर्चा के बीच, उन्होंने विद्या भारती के उल्लेखनीय योगदान की सराहना की, शिक्षा के प्रति संगठन के समर्पण और क्षेत्र पर इसके सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला। भारत में शिक्षा के भविष्य और इसे आकार देने में विद्या भारती जैसे संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए जुड़ें।

बिहार के राज्यपाल से वैदिक गणित हेतु भेंट वार्ता

बिहार | बिहार के पाठ्यक्रम में वैदिक गणित का समावेश हो, इस दृष्टि से 6 सितंबर 2023 को राजभवन में बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से भेंट वार्ता की। इस अवसर पर महामहिम राज्यपाल को विद्या भारती के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. ख्याली राम विद्या भारती जी ने भारत में गणित की उज्ज्वल परंपरा नामक पुस्तकों का सेट भेंट किया । क्षेत्रीय सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा एवं क्षेत्र के कार्यालय प्रमुख श्री निर्माल्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे। क्षेत्रीय संगठन मंत्री जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा में वैदिक गणित की महत्ता पर चर्चा की। राज्यपाल महोदय से वार्ता सार्थक रही।

नोएडा में केंद्रीय योजना अनुसार एक प्रेस वार्ता का आयोजन

नोएडा | 18 सितंबर 2023 को नोएडा में केंद्रीय योजना अनुसार एक प्रेस वार्ता का आयोजन हुआ जिसे विद्या भारती अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री डी. रामकृष्णराव जी ने सम्बोधित किया। श्री अवनीश भटनागर, महामंत्री की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रेस वार्ता का विषय विद्या भारती की गतिविधियों की जानकारी देना था।

दूरदर्शन झारखंड द्वारा विद्या भारती विद्यालय पर बनी डॉक्यूमेंट्री

झारखंड | दूरदर्शन झारखंड द्वारा अपने विद्यालय सरस्वती विद्या मंदिर, जनवृत-3/सी, बोकारो इस्पात नगर के विभिन्न गतिविधियों का लगभग 28 मिनट का एक डॉक्यूमेंट्री (https://youtu.be/YossnEb_VIw?si=Ykb_JRW7Ov66IUYk) बनाया गया है, जिसका प्रसारण दिनांक 08 सितंबर 2023 को अपने एक कार्यक्रम उभरता झारखंड में किया गया।

चाईबासा | 34वीं क्षेत्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में चाईबासा के छात्रों ने लहराया परचम।
कुल 23 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

प्रयागराज | 34वीं क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का रंगारंग कार्यक्रम के साथ भव्य उद्घाटन, विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 के चारों प्रान्तों (काशी, अवध, गोरक्ष एवं कानपुर) से लगभग 500 छात्र एवं उनके संरक्षक आचार्य/आचार्या एवं निर्णायक मण्डल के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

केदारपुर | केदारधाम में क्षेत्रीय वालीबॉल खेलकूद समारोह का उद्घाटन, कार्यक्रम में मध्यभारत, महाकौशल, मालवा तथा छत्तीसगढ़ प्रान्त से 250 से अधिक छात्र सहभागी हुये।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थानखम्हरिया के पूर्व छात्र श्री नितिन अग्रवाल का cgpsc के माध्यम से सहकारिता विस्तार अधिकारी के पद पर सहकारिता विभाग में चयन

सरस्वती शिशु मंदिर बेलतरा के पूर्व छात्र अभिषेक जायसवाल "छत्तीसगढ़ संघ लोक सेवा आयोग" मे चयन हुआ।

हिमाचल प्रदेश। पूर्व छात्र डॉ. मनोज का आईआईटी, चेन्नई में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित। मनोज कुमार ने नर्सरी से दो तक की शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर दाड़लाघाट से ग्रहण की है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नीलकंठनगर, ब्रह्मपुर , शिक्षा बिकाश समिति, ओडिशा के पूर्व छात्र श्री संपद दलाई को ओडिशा के मुख्यमंत्री का मुख्य शिक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर, तिलक नगर बिलासपुर की 2012 बेच की पूर्व छात्रा एकता ठाकुर "छत्तीसगढ़ संघ लोक सेवा आयोग" में 47वां रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार बनी।

सरस्वती शिशु मंदिर पलारी छत्तीसगढ़ की गौरव -पूनम कन्नौजे को नायब तहसीलदार (कार्यपालिक मजिस्ट्रेट) पलारी विद्यालय की पूर्व छात्र।

सरस्वती शिशु मंदिर घुटकू के विद्यार्थी अनिल लोनिया का चयन छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में बाल विकास परियोजना अधिकारी पद पर हुआ है अभी अनिल पोस्ट ऑफिस सीपत में पदस्थ है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net |
www.vidyabharatisamvad.com

vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,